



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I)

PART II—Section 3—Sub-section (I)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 351]

No. 351]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 26, 2008/आषाढ़ 5, 1930

NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 26, 2008/ASADHA 5, 1930

वित्त मंत्रालय  
(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 26 जून, 2008

स. का. नि. 480(अ).—केन्द्रीय सरकार, सरकारी बचत बैंक अधिनियम, 1873 (1873 का 5) की धारा 15 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए डाकघर (आवर्ती जमा) नियम, 1981 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम डाकघर आवर्ती जमा (संशोधन) नियम, 2008 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. नियम 7 का संशोधन.—डाकघर (आवर्ती जमा) नियम, 1981 के नियम 7 के उप-नियम (2) में निम्नलिखित पर्युक्त अंतःस्थापित किए जाएंगे, अर्थात् :-

“परंतु उप-नियम (1) में अंतर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, रक्षा सेवा (सिविलियन रक्षा कर्मचारियों को छोड़कर) के कार्मिकों की दशा में, यदि मासिक निक्षेपों में सप्ताह से अधिक व्यतिक्रम नहीं है तो निक्षेपकर्ता अपने विकल्प पर खर्च की परिपक्व अवधि को उतने महीनों तक बढ़ा सकेंगे जितनी संख्या में व्यतिक्रम है और विस्तारित अवधि के भीतर व्यतिक्रमिष्ठ किस्तों को जमा कर सकेंगे।

परंतु यह और कि रक्षा सेवा (सिविलियन रक्षा कर्मचारियों को छोड़कर) के कार्मिकों की दशा में, यदि सप्ताह से अधिक व्यतिक्रम है तो खाते को अवरोध खाते के रूप में समझा जाएगा और खाते का पुनर्स्थापन आठवें व्यतिक्रम के मास से दो मास की अवधि के भीतर, इस नियम में यथ उल्लेखित व्याज और व्यतिक्रमिष्ठ किस्तों के संशय के अधीन रहते हुए अनुज्ञात किया जाएगा।”

[ फा. सं. 2/15/2006-एनएस-II ]

एम. ए. खान, अवर सचिव

टिप्पणी : मूल नियम भारत के राजपत्र, अधिसूचना सं. सा.का.नि. 666(अ), तारीख 17 दिसंबर, 1981 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और परधनवर्ती संशोधन सा.का.नि. 301(अ), तारीख 1 अप्रैल, 1982, सा.का.नि. 258 (अ), तारीख 11 मार्च, 1983, सा.का.नि. 62(अ), तारीख 14 फरवरी, 1984, सा.का.नि. 95(अ), तारीख 7 फरवरी, 1986, सा.का.नि. 194(अ), तारीख 13 फरवरी, 1986, सा.का.नि. 363(अ), तारीख 1 अप्रैल, 1987, सा.का.नि. 39(अ), तारीख 16 जनवरी, 1988, सा.का.नि. 458(अ), तारीख 15 अप्रैल, 1988, सा.का.नि. 708(अ), तारीख 21 जुलाई, 1989, सा.का.नि. 16(अ), तारीख 9 जनवरी, 1990, सा.का.नि. 190(अ), तारीख 27 मार्च, 1991, सा.का.नि. 579(अ), तारीख 12 सितंबर, 1991, सा.का.नि. 918(अ), तारीख 11 दिसंबर, 1992, सा.का.नि. 42(अ), तारीख 1 फरवरी, 1993, सा.का.नि. 587(अ), तारीख 2 सितंबर, 1993, सा.का.नि. 2(अ), तारीख 1 जनवरी, 1999, सा.का.नि. 748(अ), तारीख 4 नवंबर, 1999, सा.का.नि. 44(अ), तारीख 15 जनवरी, 2000, सा.का.नि. 152(अ), तारीख 1 मार्च, 2001, सा.का.नि. 160(अ), तारीख 1 मार्च, 2002, सा.का.नि. 514(अ), तारीख 23 जुलाई, 2002, सा.का.नि. 662(अ), तारीख 23 सितंबर, 2002, सा.का.नि. 175(अ), तारीख 1 मार्च, 2003, सा.का.नि. 588(अ), तारीख 25 जुलाई, 2003 और सा.का.नि. 838(अ), तारीख 27 दिसंबर, 2004 द्वारा किए गए।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th June, 2008

G.S.R. 480(E).—In exercise of the powers conferred by Section 15 of the Government Savings Banks Act, 1873 (5 of 1873), the Central Government hereby makes the

following rules further to amend the Post Office (Recurring Deposit) Rules, 1981, namely:—

**1. Short title and commencement.**— (1) These rules may be called the Post Office Recurring Deposit (Amendment) Rules, 2008.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

**2. Amendment of rule 7.**—In the Post Office (Recurring Deposit) Rules, 1981, in rule 7, in sub-rule (2), the following provisos shall be inserted, namely,

“Provided that notwithstanding anything contained in sub-rule (1), in the case of personnel of Defence Services (excluding Civilian Defence Employees), if there are not more than seven defaults in the monthly deposits, the depositor may, at his option, extend the maturity period of the account by as many months as the number of defaults and deposit the defaulted installments during the extended period :

Provided further that in the case of personnel of Defence Services (excluding Civilian Defence Employees), if there are more than seven defaults the accounts shall be treated as discontinued and the revival of the account shall be permitted only within a period of two months from the month of eighth default, subject to payment of interest and

defaulted installments as provided in this rule.”

[F. No. 2/15/2006-NS-II]

M.A. KHAN, Under Secy.

**Note :** The principal rules were published in the Gazette of India, notification No. vide G.S.R. 666 (E), dated the 17th December, 1981 and subsequently amended vide G.S.R. 301(E), dated the 1st April, 1982, G.S.R. 258 (E), dated the 11th March, 1983, G.S.R. 62 (E), dated the 14th February, 1984, G.S.R. 95 (E), dated the 7th February, 1986, G.S.R. 194 (E), dated the 13th February, 1986, G.S.R. 363 (E), dated the 1st April, 1987, G.S.R. 39 (E), dated the 16th January, 1988, G.S.R. 458 (E), dated the 15th April, 1988, G.S.R. 708 (E), dated the 21st July, 1989, G.S.R. 16 (E), dated the 9th January, 1990, G.S.R. 190 (E), dated the 27th March, 1991, G.S.R. 579 (E), dated the 12th September, 1991, G.S.R. 918 (E), dated the 11th December, 1992, G.S.R. 42 (E), dated the 1st February, 1993, G.S.R. 587 (E), dated the 2nd September, 1993, G.S.R. 2 (E), dated the 1st January, 1999, G.S.R. 748 (E), dated the 4th November, 1999, G.S.R. 44 (E), dated the 15th January, 2000, G.S.R. 152 (E), dated the 1st March, 2001, G.S.R. 160 (E), dated the 1st March, 2002, G.S.R. 514 (E), dated the 23rd July, 2002, G.S.R. 662 (E), dated the 23rd September, 2002, G.S.R. 175 (E), dated the 1st March, 2003, G.S.R. 588 (E), dated the 25th July, 2003 and G.S.R. 838 (E), dated the 27th December, 2004.